Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

अल्पपरिचितसैद्धान्तिक शब्दकोष भाग-५

फोल्डर नं.	०१६०७८
ग्रन्थ	अल्पपरिचितसैद्धान्तिक शब्दकोष भाग-५
लेखक	आचार्य श्री आनंदसागरसूरिजी
संपादक	मुनि कंचनविजयजी, मुनि क्षेमंकरसागरजी
प्रकाशक	देवचंद लालभाई जैन पुस्तकोद्धार फंड – सुरत
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९७९
पृष्ठ	३१२

मुख्य टाईटल
प्रकाशकीय
णमोत्थुणं समणस्स भगवओ महावीरस्स
णमोऽथुणं समणस्स भगवओ महावीरस्स
यत किंचित
संज्ञापत्रकम
पत्राङ्कसूचा
श्रीशेठदेवचन्दनलालभाईजैनपुस्तकोद्धारफण्डनां प्रकाशनो
श्रुतसाગર
विषयानुक्रम
शकार ---------- १०३३
श्लक्ष्णमत्स्य ---------- १०३८
संगलिया ---------- १०४३
संजुग---------- १०४८
संधिकम ---------- १०५३
संभिन्नसोता ---------- १०५८
संवाहमारी---------- १०६३
सठवयार ---------- १०६८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सच्चित्तरजो ---------- १०७३
सत्तकित्ति ---------- १०७८
सन्नाई ---------- १०८३
समंतओ ---------- १०८८
सपभिपडित्तते ---------- १०९३
समिति ---------- १०९८
सम्भोगार्थ ---------- ११०३
सरणद ---------- ११०८
सविलियं ----------१११३
ससुंठि ----------१११८
सागारठवंति ---------- ११२३
सामान्यलब्ध्यक्षरं ---------- ११२८
सावत्थी ---------- ११३३
सिंधाण ---------- ११३८
सिद्धसेणायरिए ---------- ११४३
सिलिंधपुप्फ ---------- ११४८
सीवग ---------- ११५३
सुक्किलपत्ता ---------- ११५८
सुद्धपरिहारिओ ---------- ११६३
सुमणातिया ---------- ११६८
सुविसाय ---------- ११७३
सूईओ ---------- ११७८
सेज्झाकप्पविहण्णू ---------- ११८३
सेहकुल ---------- ११८८
सोलसम ---------- ११९३
हच्छो ---------- ११९८
हरियगरेरिज्जमामे ---------- १२०३
हियउंडए ---------- १२०८
हेवाक ---------- १२३३
अणह ---------- १२१८
अरुणकंत ---------- १२२३
आत्मवैयावृत्यकर ---------- १२२८
उक्कोल्यं ---------- १२३३
कुच्छि ---------- १२३८
जायामाया ---------- १२४३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

णिवेययंति ---------- १२४८
पालको ---------- १२५३
अक्का ----------२
ईल्लो ---------- ७
ओसा ----------१२
कोविआ ---------- १७
चूडो ---------- २२
णिअलं---------- २७
दुंदुभिअं ---------- ३२
पिडच्छा ---------- ३७
महअरो ---------- ४२
वद्धिओ ---------- ४७
सभरो ---------- ५२
हिल्लूरी ---------- ५६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org